संस्थान द्वारा "शीतोषण वानिकी प्रजातियों का बीज़ और आधुनिक नर्सरी तकनीक से उच्च गुणवता वाला नर्सरी स्टॉक तैयार करना" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का

वन्य-जीव मंडल, सराहन, शिमला में आयोजन: एक रिपोर्ट

(28-10-2018 से 29-10-2018)

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने '**शीतोषण वानिकी प्रजातियों का बीज़ और आधुनिक नर्सरी तकनीक से उच्च गुणवता वाला नर्सरी स्टॉक तैयार करना** ' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सराहन, शिमला (हि० प्र०) में 28 से 29 अक्तूबर 2018 तक किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम वन्य- जीव मंडल , सराहन, वन विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रायोजित था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन्य- जीव मंडल , सराहन , के 22 अधिकारियों व अग्रिम श्रेणी कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य औषधीय पौधो का संरक्षण आदि विषयों के बारे मे बताना व शीतोषण वानिकी प्रजातियों के बीज़ और आधुनिक नर्सरी तकनीक से उच्च गुणवता युक्त नर्सरी स्टॉक तैयार करने की विधियों पर अग्रिम श्रेणी कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाना था।

डा० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक-जी एवं कार्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का स्वागत किया । इसके उपरान्त उन्होने दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में संक्षेप में जानकारी दी। इसके पश्चात **श्री० राज कुमार,** हि० प्र० वन सेवा, (वन मण्डल अधिकारी) सराहन वन्य-जीव मंडल ने हि० व० अ० स० शिमला से आए विशेषज्ञों का औपचारिक रूप से स्वागत किया और निदेशक, हि० व० अ० स० शिमला को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित करवाने के लिए धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यक्रम के पहले दिन डा० संदीप शर्मा ने आधुनिक नर्सरी तकनीक से उत्पादकता बढ़ाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले नर्सरी स्टॉक तैयार करने के विषय पर चर्चा की।

इसके पश्चात **श्री० पीतांबर सिंह नेगी** , वैज्ञानिक-सी ने शीतोषण बीजों के संग्रहण , हैंडलिंग, भंडारण, जीवन क्षमता, निष्क्रियता और बुआई से पहले उपचार विषय पर प्रस्तुति दी। उन्होने जूनिपर पोलीकारपस और एबीस स्पेकटाबिलिस (तालिश पत्र) के बीज़ और कृत्रिम पुनर्जनन पर भी प्रस्तुति दी। डा० संदीप शर्मा ने भी पोलीहाउस तकनीक, कम्पोस्ट और वर्मी- कम्पोस्ट विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इस के पश्चात श्री पीतांबर सिंह नेगी , वैज्ञानिक-सी ने शीतोषण औषधीय पौधो की पहचान और उपयोग पर प्रस्तुति दी। पहले दिन के कार्यक्रम के अंत में डा०

संदीप शर्मा ने संस्थान द्वारा विकसित अतीस , चौरा, कुटकी और वनककडी की नर्सरी तकनीक पर जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन 29.10.2018 को सराहन वन्य जीव मण्डल की गोपालपुर नर्सरी में प्रतिभागियों को लाभान्वित करने के लिए फील्ड प्रदर्शन किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न नर्सरी तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाला नर्सरी स्टॉक तैयार करने की विधियों पर क्षेत्र प्रदर्शन किया गया। फील्ड भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के मध्य बातचीत सत्र का भी आयोजन किया गया। इस सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने आधुनिक नर्सरी तकनीक पर अपनी राय व्यकत की और विशेषज्ञों के साथ स्वतंत्र रूप से वार्तालाप की। प्रतिभागियों द्वारा उठाए विभिन प्रश्नों का विशेष रूप आधुनिक नर्सरी तकनीक पर आधारित विषय पर विशेषज्ञो द्वारा उत्तर दिये गए। कार्यक्रम के अंत में डा० संदीप शर्मा ने वन मण्डल अधिकारी , वन्य-जीव मण्डल सराहन (हि० प्र०) व प्रशिक्षण कार्यक्रम मे आए प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलक

डॉ० संदीप शर्मा, प्रशिक्षण समन्वयक

श्री० राज कुमार, डीएफओ, सराहन वन्य-जीव मंडल

प्रशिक्षण सत्र

नर्सरी में प्रदर्शन

प्रतिभागियों की समूह तस्वीर

आयोजन • वन्य प्राणी मंडल सराहन के अधिकारियों और स्टाफ के लिए प्रशिक्षण और प्रदर्शन

अधिकारियों को दिया गुणवत्तायुक्त पौधे तैयार करने का

सराहन में दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों और स्टाफ।

कंपोस्ट एवं वर्मी कंपोस्ट तैयार

उच्च गुणवत्तायुक्त पौधे तैयार का मिला प्रशिक्षण

रामपुर बुशहर। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के सौजन्य से वन्यप्राणी मंडल सराहन के अधिकारियों और स्टाफ के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन्य प्राणी मंडल सराहन और गोपालपुर पौद्यशाला में 28 और 29 अक्तूबर को आधुनिक नर्सरी तकनीक द्वारा उच्च गुणवत्ता के पौधे तैयार करने के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ वन मंडल अधिकारी राजकुमार ने किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम वन्य प्राणी मंडल सराहन द्वारा वित्तपोषित किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला से आए वैज्ञानिक डॉ. संदीप शर्मा और पीतांबर सिंह नेगी ने अधिकारियों और फील्ड स्टाफ को नर्सरी तैयार करने की उच्च तकनीक के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान वन्य प्राणी मंडल सराहन के 21 अधिकारियों और फील्ड स्टाफ को नर्सरी तैयार करने की बेहतर तकनीक से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के पहले दिन वैज्ञानिक डॉ. संदीप शर्मा ने आधुनिक नर्सरी तकनीक द्वारा उच्च गुणवत्ता युक्त पौधे तैयार करने की विधियां, कंपोस्ट एवं वर्मी कंपोस्ट तैयार करने की तकनीक और औषधीय पौधे की नर्सरी तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वहीं वैज्ञानिक पीतांबर सिंह नेगी ने बीजों के महत्व, एकत्रीकरण, भंडारण और बुआई पूर्व उपचार, जुनीपर के बीच एवं नर्सरी तकनीक और प्रमुख हिमालयी जड़ी बूटियों की पहचान एवं उपयोग पर विस्तृत जानकारी मुहैया करवाई गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन गोपालपुर स्थित पौद्यशाला में वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी में विभिन्न आधुनिक तकनीकों को प्रदर्शित करते हुए स्टाफ को जानकारी दी। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को उद्यान विभाग के नवनिर्मित पॉलीहाउस में ले जाकर इसकी उपयोगिता और महत्व के बारे में जानकारी दी गई। वनमंडल अधिकारी राजकुमार और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अधिकारी और फील्ड स्टाफ ने प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने पर निदेशक हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला का आभार जताया। ब्यूरो